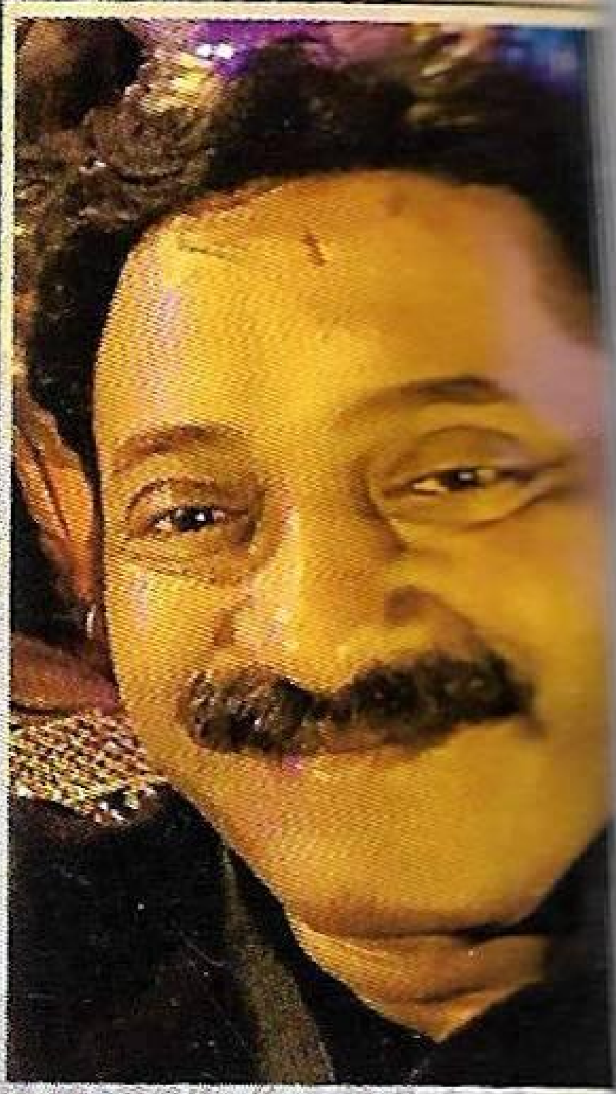


FICTION COMICS ENTERTAINMENT
₹-150
ISSUE-01
गर्व
नेक्टर
SUSHANT &
BASANT PANDA
BHAKTRANJAN
नेक्टर
सीरीज

माता-पिता व ईश्वर के पश्चात् आदरणीय **श्री संजय गुप्ता जी** को नमन्। जिनके सानिध्य, मार्गदर्शन, प्रोत्साहन एवं आर्शीवाद से **फिक्शन कॉमिक्स** आकार ले पाने में सफल रहा। यह उनके **राज कॉमिक्स** का ही जादू था जिसने बचपन से ही हमें चित्रकार बनने के लिये प्रोत्साहित किया। यह राज कॉमिक्स के स्टूडियो हेड श्री संजय गुप्ता जी का ही प्रेम, अपनापन और विश्वास था जिसके बलबूते हम एक दशक कॉमिक्स जगत को समर्पित कर पाये हैं। बड़ी से बड़ी मुश्किल परिस्तिथियों में भी सकारात्मक बने रहने की इनकी विलक्षण क्षमता ने सदा हमें सही राह दिखाई। जब स्वयं कई हजार कॉमिक्स प्रकाशित कर चुके श्री संजय जी को हमने फिक्शन कॉमिक्स के बारे में बताया तो उन्होंने कॉमिक्स निर्माण की बहुत सी बारीकियों के बारे में बताया और जिससे नुकसान हो सकता था उन खामियों के बारे में इंगित कर हमें पुख्ता तैयारी करने में अनमोल सहयोग दिया। फिक्शन कॉमिक्स के माध्यम से हम हिंदी कॉमिक्स जगत के सबसे महान व्यक्तियों में से एक श्री संजय गुप्ता जी को उनके अभूतपूर्व योगदान एवं उपलब्धियों के लिये तह-ए-दिल से धन्यवाद देते हैं।

-बसंत पंडा एवं सुशांत पंडा



श्री संजय गुप्ता
राज कॉमिक्स





संपादक मंडल
सचितेश मुखर्जी,
मंदार गंगेले,अनुराग कुमार सिंह
मयंक शर्मा,मोहित शर्मा,प्रवीण कुमार पाठक
विशिष्ट सदस्य
विकास सतपथी,रवि आनंद, शादाब, आशुतोष सिंह राजपूत, अनुज, नवनीत, भावना राय, अंकिता चिंचोलकर,निधि सिंह, आशीष दास, विकास सिंह ठाकुर, अक्षदा चंदेल, निशांत पाराशर, नीशू चौहान उत्तम चंद, राहुल राय,संतोष कनोझिया,ज्योति सिंह आदित्य किशोर, हरेंद्र सैनी,वीरेंद्र कुशवाह गौरव गंगेले,फ्रैंको, नीलेश राव
सदस्य
कपिल चांडक प्रहलाद दुबे, दीपक पोड, तरणी सेन रोहित आनंद ,कबीर,हिमांशु खत्री,ब्रम्हा पटेल अतुल गुप्ता,नवीन पाठक, प्रियव्रत,के.वासु आचारी देवजानी पंडा ,काजल पंडा
प्रचार प्रसार प्रमुख
अजय सक्सेना,राजेश सहाय,हरीश दास,आशुतोष विनोदिया,प्रदीप यादव,भागवत यादव,नरेंद्र यादव
कानूनी सलाहकार
अनुराग चिंचोलकर,गौरव शर्मा
स्टूडियो हेड
बसंत पंडा
आर्ट डायरेक्टर
सुशांत पंडा
प्रबंध संपादक

SUBSCRIBE

email us at -fictioncomics001@gmail.com
contact us- 7000475072,9039862806
join us on facebook at www.facebook.com/fictioncomics,basant panda,sushant panda

गर्व

परिकल्पना
सुशांत पंडा
लेखक
आशुतोष सिंह राजपूत
चित्रांकन
सुशांत पंडा
विकास सतपथी
कलर्स
संगीता त्रिपाठी
कलर इफैक्ट
वसंत पंडा
शादाब सिद्दीकी
कैलीग्राफी
निशांत पाराशर
सह संपादक
मंदार गंगेले
अनुराग कुमार सिंह






असावधान करके पिटाई करने का मजा ही कुछ और है। आज ये सभी अपनी आजादी की आखिरी सांस लेंगे।
भून डालो इसे। यह जरूर वही है जिसके चर्चे अभी गलियारों में गूंज रहे हैं।
आज यह यहाँ से जिंदा बाहर नहीं जाना चाहिए।
बहुत खूब। चुपचाप निपटाने वाले प्लान का सत्यानाश कर दिया।
अब सब तुम पर भूखे कुत्ते की तरह टूट पड़े हैं।
तुम्हें मेरी चिंता है? हाऊ स्वीट। लेकिन मुझे बीच मैदान में आकर लड़ने में ही मजा आता है।
खुले में आने का यही फायदा है। ना सिर्फ सारे भेड़िये सामने आते हैं। बल्कि निशाना लगाना भी आसान हो जाता है।
कंचे !! हा हा हा! तू हमे कंचों से मारने वाला है!
अभी और भी हैं।


जानता हूँ। अभी तो दूसरा फ्लोर भी साफ करना है।
इनकी संख्या बहुत ज्यादा है।
इस तरह किसी को पीछे से मारना बुरी बात है। खासकर जब तुम्हारे पास मिनी मिसाइल हो।
गोलियों से नहीं मरा तो ना सही।
लेकिन इस मिनी रॉकेट के धमाके से नहीं बच पाएगा।
माफ करना लेकिन...
कौन...
हमला इस तरीके से किया जाता है।


काफी सुस्त हो गयी हो।
कहाँ थीं?
आधी गैंग अकेले निपटा दी मैंने।
मैं तुम्हें निपटाने वाले को निपटा आयी हूँ।
धड़ाम!
उम्मीद है इससे मरोगे तो नहीं, लेकिन उठ भी नहीं पाओगे।
वह मिनी मिसाइल लांचर वाला?
देख लिया था मैंने उसे। इस सूट को भेद नही पाता वह हमला।
भेद नहीं पाता, लेकिन संभव था कि डैमेज जरूर कर देता। तुम जानते हो अभी यह सूट वैसा नहीं बन पाया है जैसा कि ये पहले बना था।
इसलिए सावधानी बरतनी जरूरी है। इस सूट की क्षमताओं का सोच-समझ कर उपयोग करना होगा।
समझ गया। और अगर मैं सही समझा हूँ तो...
...इस हमले के लिए इससे अच्छा मौका नही हो सकता।
नेक्टर के इस वार ने बचे हुए सारे गुंडो को बेहोश कर दिया।


कहीं पर
कोई रात बुरे इंसानों के लिए आफत होती है तो कोई रात अच्छे लोगों के लिए काल बन जाती है।
आज भी तिरंगा बनाने में वही आनंद आता है जो मुझे शुरुआती दिनों में आता था। और उस पर मनोज कुमार के देशभक्ति से भरे गाने और भी ऊर्जा भर देते हैं।
अब कोई कुछ भी कहे। भले ही अब स्थिति पहले जैसी नहीं रही हो लेकिन कल कुछ बच्चों के लिए ये तिरंगे जरूर बनाऊंगा।
तुम्हारी देशभक्ति वाकई काबिल-ए-तारीफ है, टीकाराम आजाद!
कौन?
आप कौन हैं श्रीमान, क्या चाहिये आपको?
मेरा कोई नाम तो नहीं है लेकिन चूँकि मैं तुम्हारा शिकार करने आया हूँ तो तुम मुझे प्यार से शिकारी बुला सकते हो।
और एक शिकारी को ...
...अपने शिकार से उसकी जान के...
...अलावा भला और क्या चाहिए हो सकता है।
यह क्या बकवास कर रहे हो? जानते नहीं तुम कि मैं कौन हूँ? अगर मुझे कुछ हुआ तो पुलिस और मीडिया तुम्हारे पीछे लग जाएगी।
जानता हूँ, और मैं उम्मीद भी इसी की कर रहा हूँ। हाहा हाहा
कल मैं तुम्हारे चाहने वालों को एक सुन्दर सा पैगाम दूंगा।


इधर नेक्टर और ब्लू-आई अपने काम में लगे हुए थे।
काम उम्मीद से जल्दी खत्म हो गया। मेरे खयाल से हम अब भी अपनी डेट पूरी कर सकते हैं!!
अब भला रात को 12 बजे कौन सी लड़की डेट पर जाना चाहेगी।
तुम कोई नॉर्मल लड़की थोड़े ही हो और ना ही हम नॉर्मल कपल हैं।
तुम दोनों को पता है ना कि मैं तुमसे इसलिए जुड़ा रहता हूँ ताकि जरूरत पड़ने पर तुम लोगों को दिशा निर्देश दे सकूँ! ना कि इसलिए कि तुम दोनों की बक-बक सुन सकूं।
अगले दिन प्रोफेसर अमृतराज की लैब
कुछ रात पहले पुलिस को मिली खबर के आधार पर उन्होंने जब स्टील गोडाउन में छापेमारी की तो सभी कुख्यात हथियार सप्लाई करने...
...वाले माफियाओं के बेहोश पड़े शरीर मिले।
लेकिन कल ही एक और गिरोह के अड्डे तबाह हुए मिले और वहाँ कुछ लाशें भी बरामद हुई है...
हमने तो कल कोई अड्डा तबाह नहीं किया दिव्या? फिर ये...?
सही कहा अंकुश! हम वैसे भी जब तक जरूरत ना हो, जान से नहीं मारते। ये कोई और ही है।
मुझे लगता है ये वही है। वह लौट आया है शायद...
अभी ब्रेकिंग न्यूज मिली है कि देश के महान समाज सुधारक टीकाराम आजाद की हत्या करके किसी ने शहर के ...
...पावर हॉउस की चिमनी पर लटका दिया है।
ओ माय गॉड!
शायद पापा! पर अभी हम कह नहीं सकते वैसे भी...
पुलिस अब तक इस पहेली को सॉल्व करने में...
जिसने भी यह किया है उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।
खूनी ने टीकाराम की बेरहमी से हत्या कर उनके सीने पर अशोक चक्र बनाया है और सरेआम एक चुनौती भी दी है कि वह 26 जनवरी तक एक-एक कर हर 24 घंटे में देश के रंगों को मिटा कर देश को पूरी दुनिया के सामने शर्मसार कर देगा। ज्ञात हो कि टीकाराम ने अपना काम सबसे पहले तिरंगे झंडे बनाकर बेचने से शुरू किया था। वह बच्चों को मुफ्त में ही तिरंगे बाँट दिया करते थे। चुनौती के रूप में पहेली दी है हत्यारे ने-
'वहां बुझेगी जीवन ज्योति ...जहां खड़ी बरसों से मोती की पोती'


उधर मुसीबत ने दस्तक दी और इधर नेक्टर ने उसे हल करने की कोशिशें शुरू कर दी।
पुलिस फोर्स को पता चला कि मैं तुमसे यूँ मिल रही हूँ तो उन्हें मेरे पुलिस ऑफिसर होने पर भी ऐतराज होने लगेगा।
चिंता ना करें। आप पर कोई मुसीबत नहीं आएगी।
मुसीबत से निपट लूँगी। लेकिन चिल्हर जैसी दिक्कतें मुझे ज्यादा परेशान करती हैं।
ये रही टीकाराम की हत्या की डिटेल्स। इससे तुम्हें हत्यारे के बारे काफी जानकारी मिल जाएगी।
मैंने जितना पढ़ा है उससे यही नतीजा निकला है कि कातिल काफी खूंखार और खतरनाक हथियारों से लैस है।
इंस्पेक्टर शालिनी शेखावत!
तो फिर इसकी सजा भी खूंखार और खतरनाक होगी। एक नेक इंसान के साथ इस तरह की दरिंदगी की सजा इसे भुगतनी होगी।
अच्छी बात है नेक्टर, लेकिन सावधान रहना। जिसने ऐसी हत्या की हो...
...पूरे देश की इज्जत को शर्मसार करने की बात कर रहा हो...
....और सीधे-सीधे पुलिस को चुनौती दे रहा हो वह कोई आम आदमी नहीं हो सकता।
अगले कत्ल में 12 घंटे बचे हैं।
इतने कम समय में तुमने हम सबमें खास जगह बना ली है, अच्छी बात है। लेकिन तुम्हारी और उड़ने की इच्छा तुम पर भारी पड़ सकती है। वैसे भी चिड़िया को कभी बाज की जगह पहुंचने का ख्वाब नहीं देखना चाहिए।
क्योंकि अगर बाज को ये पता चल गया तो...
...वह चिड़िया को हजम कर जाएगा और डकार भी नहीं लेगा।
क्या बात है! मैंने भी कुछ ऐसा ही सुना है पर थोड़ा सा अलग है।
चिड़िया को खुद को बाज समझने की भूल भी नहीं करनी चाहिए, क्योंकि जिस दिन असली बाज उसके सामने आएगा वह उसे खाने से पहले तड़पाएगा।
य...यह क्या कर रहे हो तुम लोग?
मैं तुझे छोड़ूंगा नहीं... अक्क!!
उसे अहसास दिलाएगा कि उससे कितनी बड़ी गलती हुई है।
और फिर उसे खाएगा। डकार ले-ले कर।


मुझे एक बहुत बड़ा उद्देश्य पूरा करना है, अजगर! और मुझे उसके लिए सबसे ऊपर पहुँचना है। तुम जैसे छोटे-मोटे लोग मेरे काम में रोड़े बन सकते हो और मैं इसकी इजाजत नहीं दे सकता।
इसलिए मैंने तुम्हारे आदमियो को दोगुने दामों में पहले ही खरीद लिया था।
तुम्हारे विश्वासपात्रों को खरीद ना सका तो उन बेचारों को मारना पड़ा।
मेरी तुमसे कोई खास दुश्मनी तो नहीं लेकिन क्या करूँ मजबूरी है। तुम्हें मरना होगा।
तुमसे कमजोर, जो तुमसे डरते हैं उन लोगों ने यही डिमांड रखी है मुझसे तुम्हारी जगह देने की।
बदले में वे मेरी मदद करेंगे मेरा काम पूरा करने में।
भगवान तुम्हारी आत्मा को शांति दे।
बड़ी देर लगा दी आने में?
इतना समय बर्बाद करने की क्या जरूरत थी मास्टर?
मुझे कह दिया होता तो मैं चुटकियों में यह काम खत्म कर देता।
ओ कम ऑन! कभी-कभी मुझे भी थोड़ी बहुत मस्ती करने दिया करो। तुम तो मुझे आलसी बना दोगे।
जैसा आपने कहा था। हमारा प्लान शुरू हो चुका है लेकिन वह नेक्टर ...
...उसकी चिंता तुम मत करो। उसका इंतजाम भी कर दिया जाएगा।
अगर वह मेरे रास्ते में आया तो मैं अकेला ही काफी हूँ उसका शिकार करने के लिए।
एक अच्छा शिकारी कभी अपने शिकार को कमजोर नहीं समझता।
आप जरूर उसके पुराने कारनामे के आधार पर कह रहे होंगे।
जब उसने अकेले इस शहर के क्राइम का सफाया कर दिया था।
मेरी स्टडी बताती है कि यह वह नहीं है जो अब शहर के क्राइम पर रोड़ा बन रहा है। जिसने सफाया किया था वह कोई और था,
लेकिन फिर भी हम किसी तरह की गलती नहीं कर सकते। तुम हमारे प्लान पर काम शुरू कर दो, देश के रंगों को खत्म करने का। मुझे पूरी उम्मीद है कि कोई तुम्हारे रास्ते का रोड़ा नहीं बनेगा। क्योंकि...


...मुझे नहीं लगता कि कोई यह पता भी लगा पाएगा कि तुम करने क्या वाले हो।
आखिर कोई देश के रंगों को कैसे खत्म कर सकता है? और आखिर टीकाराम को क्यों जान से मारा गया है, उससे किसी को भला क्या मिला होगा!
सिवाय इसके कि मीडिया ने पुलिस डिपार्टमेंट और सरकार की धुलाई की।
जनता और टीकाराम के चाहने वालों ने पुलिस पर सवाल खड़े करने शुरू कर दिए हैं।
ये जो कोई भी है इसी तरह देश को शर्मसार करेगा।
वो कैसे?
जैसा कि तुम देख ही रही हो कि नतीजा क्या हो रहा है। इसी तरह के काण्ड हुए तो ना सिर्फ सरकार पर सवाल उठेगा बल्कि राजनीतिक दंगल भी शुरू होगा, और हर कोई इस दंगल में अपने दांव आजमाएगा।
भोली भाली जनता में असंतोष फैलेगा, पुलिस पर और सवाल उठेंगे। देश को दूसरों के सामने शर्मसार करने का...
...इससे अच्छा तरीका भला और क्या हो सकता है।
लेकिन यह बहुत आगे की बात है। उससे पहले हमें कातिल तक पहुंचना है।
बचपन में स्वर्गीय टीकाराम जी मुझे भी मुफ्त में तिरंगा दिया करते थे उनकी आँखों में वह खुशी, देश के लिए उनकी चाह को दर्शाती थी। ऐसे ही नहीं आज वे कई लोगों के दिलों में अपने लिए जगह बना गए।
उनकी वह हालत अभी भी मेरे जहन से हट नहीं रही है। इस तरह अगर समाज सुधारकों की हत्या होती गयी तो यह वाकई हमारे देश का नाम डुबो सकती है।
ओह्ह! मेरी कजिन का मेसेज आया है।
क्या हुआ?
कुछ नहीं। तुमने आज का अखबार तो पढ़ा ही होगा। भगवान दास जी कल इंदिरा चौक पर चीनी सामान की रोक पर एक रैली निकाल रहे हैं। मैं भी कल उसमें शामिल होने जा रही थी।
भगवानदास जी ...
पर निकालेंगे रैली
लेकिन...
कोई बात नहीं, तुम जाओ। इस पहेली को तुम्हारे खड़ूस पिता के साथ मिल कर हम सुलझा लेंगे।
खड़ूस!!
ठीक है मैं चलती हूँ।
अगर कल तुम्हें भी शामिल होते बने रैली में तो चलना जरूर।
बिलकुल!
फिर काफी घंटों की तक माथा पच्ची के बाद
'वहां बुझेगी जीवन ज्योति... जहां खड़ी बरसों से मोती की पोती'
क्या मतलब हो सकता है इसका...
आखिर क्या है यह...


लगता है जैसे मैंने पहेली हल कर ली है।
मुझे लगा कि तुम्हें आशिकी लड़ाने के अलावा और कुछ नहीं आता। क्या मतलब है उस पहेली का?
अंकुश
अंकुश
कहां खो गए? जवाब दो पहेली का।
शायद दिव्या सही कह रही थी...
...मुझे भी वहां जाना चाहिए।
चीनी सामान हाय! हाय!
चीनी सामान बंद करो, बंद करो!
चीनी सामान हाय! हाय!
चीनी सामान बंद करो, बंद करो!
चीनी सामान हाय! हाय!
उफ! ये धुंआ कैसा? खों...खों
कहाँ भागने की सोच रहा है, भगवान दास? तुझे तेरे भगवान के पास पहुँचाने के लिए तेरा यमदूत आ गया है। अब तेरी जिन्दगी की रफ्तार थमने का समय आ गया है।
कौन? कौन है वहां?
बहरा है क्या, सुना नहीं? मैंने कहा, मैं यमदूत हूँ जो तुझे तेरे भगवान के पास पहुँचाने आया है।
तुझ जैसे पापी अपनी जुबां पर भगवान् का नाम लेकर पाप करते हैं। इसलिए तुम जैसे पापियों को सजा देने के लिए भगवान् ने अपना एक और दूत चुना है।




थम्मम
...और उस दूत को तुझ जैसे पापी नेक्टर के नाम से जानते हैं।
सुना है तेरे बारे में थोड़ा बहुत। शक तो था कि तू शायद यहां मेरा काम खराब करने आएगा। इसलिए मैं भी तैयार हूं तेरे लिए।
यहां अब दिव्या की नहीं ब्लू आई की जरूरत है।
बूम
बूम
बूम
बूम
शिकारी के छोटे बमों ने नेक्टर को अपने आगोश में ले लिया।
ओफ! यह नेक्टर तो गया लेकिन अब इन पुलिस वालों का इंतजाम करना पड़ेगा।


तुम्हारी गोलियां तो मुझे छू नहीं पाई देखते हैं तुम मेरे नाखूनों से खुद को बचा सकते हो या नहीं?
शिकारी के नुकिले नाखून उसके उंगलियों से आजाद हो कर पुलिसियों की तरफ रवाना हो गये।
नाखूनों की रफ्तार इतनी तेज थी कि उन्हें पता ही नही चला कि वे...
...कब उनके पास पहुँच गयीं। पुलिस वाले बस अपना मुंह ताकते रह गए।
लेकिन कोई था जिसकी रफ्तार उन नाखूनों की रफ्तार का मुकाबला कर सकती थी।
शेखावत की रिपोर्ट पढ़ कर मुझे ये तो पता चल गया है कि कातिल ने नाखूनों से टीकाराम जी के घर...
की मजबूत चीजों को भी तहस-नहस कर दिया था।
शिकारी के नाखून वापस पलट गए थे इसी की ओर-
आह!! इसकी उम्मीद तो नहीं थी मुझे। मेरे नाखून काफी मजबूत हैं और आसानी से किसी का भी शरीर भेद सकते हैं।
मेरे सूट ने मुझे बचा तो लिया लेकिन अंदर कुछ खरोंचे भी मार गयी है।
हे शिव! ये क्या हो रहा है यहां और ये कौन?..
भगवान दास जी। यहाँ खतरा है। मेरे साथ आईये।


तुम कौन हो और मुझे कहां ले जाना चाहती हो?
मुझपे भरोसा रखिये सर।
मैं आपको बचाने आयी हूँ। जो आपके जान के दुश्मन से आपकी हिफाजत कर रहा है वह मेरा ही दोस्त है।
तुम कितने टिकाऊ हो इसका सुबूत तुम मेरे पहले वार को सह कर दे चुके हो,
इसलिए मुझे यकीन है कि ऐसे वार तुम्हें जान से तो नहीं मारेंगे,
लेकिन तुम्हारी हड्डियाँ जरूर दुरुस्त कर देंगे।
आह!
भगवान दास कहीं दिखाई नहीं दे रहा है। और यह नेक्टर, पुलिसवाले और मेरे जख्म मुझे शिकस्त दिलाने में तीनों तरफ से कोशिश में लगे हैं। वक्त का तकाजा यही है कि फिलहाल यहां से निकला जाए।
अभी भी काफी फुर्ती बची है इसमें।
इसे अपनी जीत ना समझना। और ना ही ये समझना कि मैं डर गया हूँ। देश भक्ति का संसार होगा तहस-नहस, जब चलेगी 8-10 की उल्टी बस।
यह क्या कह रहा है? क्या एक और पहेली?
निकल भागा कायर। अब मुझे भी निकल जाना चाहिए।



मुझे बचाने का शुक्रिया। हम हैं कहाँ? और हवा में उड़ते-उड़ते यहां कैसे आ गये? मुझे तो यह भी नहीं पता कि ये बाहर से दिखता कैसा है?
मैं अभी आप को बस इतना ही बता सकती हूँ कि आप एक सुरक्षित जगह पर हैं। जब तक वह मुसीबत पकड़ी नहीं जाती तब तक आप यहीं रहेंगे।
नेक्टर उसे पकड़ कर लाता ही...
नहीं ला पाया, ब्लू आई। वह भाग निकला।
लेकिन एक नई पहेली छोड़ गया है।
यह दीवार से कैसे...कैसे ...यह सब?
माफ कीजिये सर। पर इसकी अंदर आने की आदत ऐसी ही है। तुम बताओ नेक्टर! क्या पहेली है?
देश भक्ति का संसार होगा तहस-नहस, जब चलेगी 8-10 की उल्टी बस।
आपका क्या कहना है द ब्रेन?
हो ना हो ये अगली पहेली का इशारा भी भगवान दास जी की तरह किसी मशहूर समाज सुधारक की तरफ है।
यह बोल कहाँ से रहा है? यह है क्या? कौन हो तुम और यह सब हो क्या रहा है?
शांत हो जाएं, सर! मैं आपको सारी बात बताता हूँ।
कुछ समय बाद जब भगवान दास की बुद्धि थोड़ी स्थिर हुई तब...
समझा। देश को देशद्रोहियों से बचने में अब मैं भी तुम्हारी मदद करूँगा।
लेकिन यह बताओ कि तुम्हें कैसे पता चला कि मुझ पर ही हमला होगा?
काफी देर तक माथापच्ची करने के बाद मेरी नजर इस न्यूज पेपर पर पड़ी जिसमें आपकी रैली 'इंदिरा गाँधी चौक' में निकलने वाली है इस बारे में लिखा था।
मैं समझ गया कि मोती की पोती से जिक्र इंदिरा गाँधी से ही है जिनकी प्रतिमा बरसों से वहाँ खड़ी है।
आपके नाम भगवान् दास में भगवा है जो कि हमारे तिरंगे का पहला रंग है। वे आप ही होने चाहिए थे जिसे मारकर वह हत्यारा भगवा रंग की हत्या करना चाहता था।
प्रभात प्रखर
भगवानदास जी 'इंदिरा गाँ
निकालेंगे रैली। चीनी सामा



कमाल हो तुम तो। तुम्हारी बुद्धि का जवाब नहीं।
वह आपको यह बताना भूल गया कि पहेली हल करने में मैंने उसकी मदद की थी।
अब आगे क्या?
उसने अगले टारगेट के लिए पहेली और समय बता दिया है।
हमें उसे बचाना होगा। अब आपको आराम करना चाहिए मैं ब्लू आई के साथ कोई रास्ता निकालता हूँ।
वक्त तेजी से बीत रहा था
अब इस पहेली का हल क्या है, यह सोचना होगा।
8-10 रोड का जिक्र हो सकता है ! जहां पर कोई बस पलटाने की योजना बनाई गई हो। सफेद रंग का कत्ल करना मकसद है अब हत्यारे का! वो स्कूल बस हो सकती है! बच्चे सफेद यूनिफॉर्म में होते हैं।
हमें पता लगाना होगा कि 8-10 से ताल्लुक रखने वाली कोई बस है क्या?
8-10 को उल्टा करके 01-8 से भी किसी बस का कोई सम्बंध नहीं निकल रहा।
स्कूल के बच्चे निकालेंगे रैली लाल बहादुर शास्त्री चौक .....
26 january special
सब टी.वी. लाइव 8 बजे
ए वतन तेरे लिए...
ओह, यह क्या है?
क्या...?


सब टी.वी. का बिलासा सिटी में मौजूद स्टूडियो
सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है... देखना है जोर कितना बाजू-ए-कातिल में है...
धवल चक्रवर्ती टी. वी. सीरियल की दुनिया का...
...मनोज कुमार।
अंग्रेजों भारत छोड़ो...!!
पुतलों पर बहादुरी दिखाना आसान है!
क्योंकि वे विरोध नहीं करते!
अगर पुतले पलटवार करें तो कितनी बहादुरी दिखा पाओगे, धवल चक्रवर्ती!
क...क...कौन हो तुम? क्यों मार रहे हो मुझे?
अंग्रेज का चोला उतार फेंका था शिकारी ने-
देशभक्ति वाले रोल और काम करके बहुत लोकप्रियता कमाई तूने। उम्मीद है आज जब तू मरेगा तो तेरे पीछे रोने वाले भी बहुत होंगे।
ये रूम पूरी तरह लॉक्ड है। कोई अंदर नहीं आ सकता। बाहर खड़े तेरे गार्डस् को परलोक का रास्ता दिखा चुका हूँ मैं।
उन्हें आवाज देकर अपनी एनर्जी बर्बाद मत कर। वह एनर्जी मेरा सामना करते वक्त तेरे कुछ काम आ जाएगी।
तेरी मौत एक दो सेकेंड टल जाएगी।
पर वे एक दो सेकंड भी तुझे...
...सौ- दो सौ बरस बाद मिलने वाले हैं।
क्योंकि उससे पहले तेरी हड्डियों का दर्द नहीं जाने वाला जो अब मैं तुझे देने वाला हूँ।
तो आखिरकार तुमने मेरी दूसरी पहेली हल कर ही ली।
हां। माना कि बहुत समय लग गया लेकिन उतनी भी कठिन नहीं थी तुम्हारी पहेली।
उस वक्त स्क्रीन पर जब मैंने धवल चक्रवती के लाइव शो का एड देखा तो सब टी.वी. पर ध्यान गया उल्टी बस यानि सब होता है। उस पर साढ़े आठ बजे धवल चक्रवती के लाइव आने की बात देख मैं समझ गया था...
...कि तू धवल चक्रवर्ती को मारकर ही धवल यानि सफेद रंग और चक्र की हत्या करना चाहता है।
उफ! इसकी फुर्ती तो काबिले तारीफ है। हवा में ही कलाबाजियां खाता हुआ न केवल संभल चुका है...


...बल्कि उसी तेजी से उसने हमला भी कर दिया है।
गजब की शारीरिक ताकत है इसमें। पूरा शरीर जैसे झन्ना सा गया है।
आखिर तुम हो कौन? क्यों मार रहे हो इन सबको। क्या बिगाड़ा है इन सबने तुम्हारा?
सूट टिकाऊ सही! लेकिन इस तरह के वारों के प्रभाव से अछूता नहीं है! मैं इसे कमजोर समझने की गलती नहीं करूँगा।
मैं बचपन में सबसे बुरा स्टूडेंट था, क्योंकि जवाब नहीं दिया करता था। लेकिन चूंकि तुमने मुझे इम्प्रेस किया है इसलिए तुम्हें जरूर जवाब दूंगा।
शिकारी! मेरे शिकार मुझे शिकारी बुलाते हैं। तुमने शायद सुना नहीं होगा...क्योंकि मेरा नाम बताने के लिए मेरे शिकार जिंदा ही नहीं बचते।
ओफ!!
इस बार मैंने तेरी अच्छे से स्टडी कर ली थी।
पिछली लड़ाई ने मुझे यह बता दिया था कि शायद तेरे सूट के कारण तुझ पर बॉम्ब्स भी असर नहीं करते, लेकिन इस तरीके से मेरे नाखून के जहर तुझे आराम से पस्त कर देंगे।


लगता है कि ये जहर तुझ पर कुछ ज्यादा ही असर कर गया है।
इस जहर से तो ऐसा असर तभी सम्भव था जब शरीर पहले से किसी बीमारी से ग्रस्त हो।
अच्छा ही है शायद मुझे अब तुझ पर उंगली उठाने की भी जरूरत नही पड़ेगी।
चल जब तक तू मर रहा है तब तक इसे मरता हुआ देख ले।
देख इसे तड़पते हुए नेक्टर! देख! कैसे पानी बिन मछली की तरह जीवन के लिए तड़प रहा है।
यह इसकी मौत नहीं है। तेरी असफलता है जो तेरे मुंह पर तमाचा मार रही है। मैं तुझे दिखाता हूँ उस बेरहम मौत की झलक जो मैंने टीकाराम को दी थी।
आआ हहह!
नेक्टर उस मंजर को देख कर चीख भी नहीं पाया।
चलो ये खत्म हुआ। अब कुछ देर तुम्हें भी तड़पता देख लिया जाए। सोचा तो था कि तुम्हें भी एक तड़पती मौत दूँ लेकिन तुम तो खुद ही तड़प रहे हो।
मजा खराब कर दिया।
लेकिन...
...नेक्टर की मौत देखना...
ओहह! यह क्या।
...अभी शिकारी की किस्मत में नही था।
18


मुझे तुम्हारी अकेले जाने की जिद माननी ही नहीं चाहिए थी।
ये स्प्रे लैब पहुँचने तक तुम्हारी हालात में कुछ सुधार करेगा।
व..वो धवल जी को बचा ...
पुलिस आ चुकी है। वे उन्हें बचा लेंगे।
पहले से हथियार को सेट करना काम आया। उसकी हालत खराब है, मास्टर। शायद मर भी जाये। आगे क्या आर्डर है?
हम्म!
इतना बुरा तो मैं नहीं चाहता था।
लेकिन अगर ऐसा हो भी जाये तो कोई बुराई नहीं।
हमारे आगे के प्लान का रोड़ा खत्म हो जाएगा।
...यहाँ रहकर उसके बारे में स्टडी करना काम आ गया।
अगर वह लड़की यहाँ नहीं आयी होती, तो मैं उसे मार चुका होता।
कोई बात नहीं। तुम उसकी चिंता मत करो।
उसे मैं देख लूंगा। तुम बस वह करो जो तुम्हें कहा गया है।
नेक्टर!! इसे क्या हुआ?
दुश्मन इसकी कमजोरी पर वार करने में कामयाब हो गया।
किससे बात कर रहे हैं आप भगवान दास जी?
कुछ नहीं। बस अपने कार्यकर्ताओं से बात कर रहा था। उन्हें कुछ जरूरी बातें समझा रहा था। बेचारे बेकार ही मेरी चिंता...अरे यह क्या?
इसका मतलब इसके...
आपने सही समझा ब्रेन।


किस्मत से मैं सही समय पर पहुँच गयी। आप इसे देख कर बताएं कि हालात कितने गंभीर हैं।
वही कर रहा हूँ ब्लू आई।
यह क्या हुआ नेक्टर को... वह ठीक तो है।
इसे कुछ नहीं होगा, ...दास जी। कुछ नहीं होगा।
अगले दिन
नेक्टर होश में आ रहा था।
मैं...मैं कहाँ हूँ?
...और जब उसे पूरी तरह होश आया तो उसके मुँह से वही बात निकली जिसकी सबने उम्मीद की थी।
धवल... धवल चक्रवर्ती का क्या हुआ?
नेक्टर! तुम अभी-अभी होश में आए हो।
भगवान की दया से मैं तुम्हें सही समय पर ले आयी। तुम अभी सिर्फ आराम...
क्या हुआ उनका...?
उन्हें बचाने की कोशिश की गई लेकिन...
ओह नहीं!
अभी कुछ ही देर पहले उनकी मौत की खबर बाहर आई है और सियासी जंग शुरू हो गयी है। मीडिया और पब्लिक, सरकार और पुलिस की धज्जियां उड़ाने में लग गए हैं।
पूरे देश में तनाव के माहौल की हवा लग गयी है। बाकी का काम धवल जी के चाहने वालों ने कर दिया है।
और सबसे बुरी बात यह सब आज 26 जनवरी के दिन हो रहा है।
उसने फिर से इस बार एक पहेली छोड़ी है। न्यूज में इसे हैडलाइन के साथ बार- बार दोहराया जा रहा है।
GREEN IN BLACK
ग्रीन इन ब्लैक...
क्या हो सकता है इसका मतलब?
मैं शायद मदद कर सकूं।
क्या आप जानते हैं इसका मतलब?
नहीं! लेकिन पिछले दो पहेलियों से जो नाम निकल कर आये हैं...
...उससे अंदाजा लगाने में तुम लोगों की मदद कर सकता हूँ।


मैं काफी देर से इस पहेली के बारे में सोच रहा था।
मेरे खयाल से इस पहेली का हल श्याम मेहरा होना चाहिए। भारत के प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक।
मुझे लग रहा है शायद यही है और अगर नहीं भी है तो हमारे पास अभी भी समय है। इन्हें यहाँ ले आएंगे तो शिकारी इनका कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा।
लेकिन नेक्टर! तुम अभी भी...
कोई बात नहीं। खड़ा तो हो सकता हूँ ना, मतलब जा सकता हूँ और इस बार तुम भी साथ होगी, जिसे आज भी लड़ने में मुझसे ज्यादा अनुभव है।
ब्लू आई जानती थी कि नेक्टर से बहस में उलझना सिर्फ समय की बर्बादी होगी।
अरे! वाह तुम्हारा सूट तो अपने आप तुम्हारी बॉडी को कवर कर रहा है।
चलो वैसे भी शिकारी के समयानुसार हम जल्दी है,
वह हमें वहाँ मिलेगा भी नहीं। काम आसानी से हो जाएगा।
चलो।
खुशी हुई मदद करके।
दोनो अपनी मंजिल पर पहुंचने वाले थे।
भगवान दास जी तो काफी होशियार निकले।
काफी बढ़िया तरीके से हल कर ली पहेली।
लगता है हमारे लैब में रहकर हमारे जैसे ही हो गए हैं।
हाँ सही कह रही हो तुम। वह वाकई में होशियार... एक मिनट
क्या हुआ?
क...कुछ नहीं। तुम एक काम करो। जाकर श्याम मेहरा को सेफ करो। मैं अभी आया।



भले तुम इंसान नहीं लेकिन हमारी अच्छी दोस्ती हो गयी थी। तुम्हें पूरी तरह तबाह करने में मुझे बहुत बुरा लगेगा। सच कह रहा हूँ।
मुझे लगा तो था कि नेक्टर पर शिकारी का हावी होने और मेरा पहेली को हल करना तुम्हारी बत्ती जला देगा।
इसलिए इस हथियार के साथ तैयार हूँ जो तुम कंट्रोल नहीं कर पाओगे।
तुमने मुझे खुद बताया था याद है।
चलो! यह दुख भी मैं झेल लूंगा। तुम्हारी बुद्धि भी आजाद कर देता हूं इस दुनिया... आह!!
आजाद तो तू नहीं हो पाएगा। एक बार जो मैंने तुझे जेल पहुँचा दिया तो।
तो तुम्हें भी आखिर मुझ पर शक हो ही गया।
वैसे उतने भी होशियार नहीं हो तुम।
कम से कम ब्रेन जितने तो नहीं।
देर आये दुरुस्त आये। अब तू किसी और को नहीं मार पाएगा। तेरा किस्सा यहीं खत्म।
तो तुम अब भी यही समझ रहे हो कि इन चन्द मशहूर लोगों को मारना मेरा मकसद था।
तो...?
हाहाहा!!
बता क्या है तेरा असली प्लान? बता वरना यही गला घोंट दूंगा तेरा।
अक... मार दोगे तो जिंदगी भर खुद को माफ नहीं कर पाओगे। बैठ...अक...के बात करते हैं ना।


वैसे सच कहूँ तो तुमने मुझे निराश किया है, नेक्टर। तुमसे पहले तो ब्रेन ने मेरी सच्चाई पता लगा ली। मुझे इसका शक था...
...इसलिए मैं ब्रेन के साथ ही रहता था। लेकिन देखो जरा, ब्रेन तुम्हारे साथ पहेली हल करने क्या बैठा, इसने तुरंत वह सच्चाई निकाल ली...
...जिसमें असली भगवान् दास की मौत की फुटेज है। वैसे मैंने ही मारा उसे भी। एक साल पहले। तब से मैं ही भगवान दास हूँ।
लो...कॉफी पियो।
प्लान क्या है तुम्हारा!
अरे यार तुम तो कुछ ज्यादा ही पीछे पड़े हो मेरा प्लान जानने के लिए।
ये विग और नकली दाढ़ी मूँछें तो...
ओह्ह हाँ! तो मैं कह रहा था कि... सॉरी... हँस रहा था कि तुमने सोचा कि मैं इन चंद लोगों को मारूँगा अपना कहा पूरा करने के लिए। यह सब तो सिर्फ तुम लोगों का ध्यान बंटाने के लिए।
ताकि मैं जो सैंकड़ों लोगों को मारने जा रहा हूँ उसकी भनक तुमको ना लगे।
मेरे प्लान को तुम जो चाहे कह सकते हो। मुझे फर्क नहीं पड़ता। अभी कुछ दिन पहले ही एक बॉम्ब अड्डा तबाह किया गया, खबर पढ़ी होगी तुमने।
मेरे शिकारी ने ही किया था। उनसे चुराने के बाद। जितनी स्टडी तुम्हारी मैंने की थी उसके अनुसार जरूर तुम उसकी तहकी-कात करते और शायद मेरे प्लान का पता कर लेते।
मैं रिस्क उठाने के मूड में नहीं था इसलिए मैंने यह डिस्ट्रैक्शन पैदा किया। तुम्हारा सारा ध्यान इधर हो गया। मेरा पहला प्लान सफल हो गया था।
अब बारी थी अगले चरण की। चुराया बम सही जगह लगाने का और ऐसे कि किसी को पता ना चले।
मुझे उसके लिए थोड़ी और टेक्नोलॉजी और गैजेट की जानकारी चाहिए थी।
जो मुझे तुम्हारे पास मिलती।
तुम्हारे बारे में मैं यह समझ गया था कि तुम हाई टेक हथियार और गैजेट्स यूज करते हो तो खुद को यहाँ लाने का प्लान बनाया।
लेकिन तुम हमारी टेक्नोलॉजी का उपयोग...
तो तुमने क्या सोचा? तकनीक का ज्ञान और उपयोग सिर्फ तुम कर सकते हो। शायद ब्रेन जितना नहीं, लेकिन उससे कम भी नहीं हूं। बरसों की मेहनत है।
कहाँ छुपाया है बॉम्ब।
देखो! यही बताना भूल गया मैं। चलो एक पहेली... उम्म छोड़ो भी, ऐसे ही बता देता हूँ। शाम हो चली है। आज 26 जनवरी के दिन 'भारत द्वार' पर देशभक्ति पर आधारित समारोह आयोजित है जिसमें जनता जो इसका आनंद लेने आएगी उसे नारंगी, हरा और सफेद रंग में से किसी एक रंग के कपड़े पहन के आने की थीम रखी गयी है। पूरी दुनिया मे इसका ब्रॉडकास्ट होगा। खबर मिली है कि सैंकड़ों की तादाद आयी है।



मैं तुम्हें... आह!
तुमने फिर मुझे कमजोर समझने की कोशिश की। मैं नहीं चाहता कि तुम मरो।
मैं चाहता हूं कि तुम उन निर्दोष लोगों को बचाने की असफल कोशिश करो। क्या है ना कि जब तक कोई बचाने वाला ना हो तब तक मारने का मजा नहीं आता।
इसी बहाने असफल होने की शर्म में तुम भी वहीं ब्लास्ट हो जाना। बढ़िया रहेगा।
अब ये मत पूछना कि मैं बॉम्ब भारत द्वार जैसी जगह पर कैसे लगा आया।
कुछ तो क्रेडिट तुम्हें मेरे डिटेक्ट न हो सकने वाले बम और मेरी टैक्नोलॉजी के टैलेंट को देना होगा।
और तुम, ब्रेन! मैं जानता हूँ कि तुम इस इंतजार में थे कि...
...कब मैं सारी जानकारी बकूँ और तुम कुछ करो। लेकिन अभी भी नेक्टर की जान मेरे हाथ में है।
अरे...देखो! शिकारी भी आ गया। यहाँ तक घुसने की जानकारी भी मैंने ही इसे भेजी थी। बेचारे की इच्छा थी कि तुम्हें हाथों से मारे लेकिन हालात फिलहाल ऐसे हैं कि मार नहीं सकेगा।
मास्टर! अभी-अभी बुरी खबर मिली है।
लोगों को खाली करवाया जा रहा है। पहले तो बॉम्ब डिटेक्टर टीम वहाँ पहुँची उसके कुछ समय बाद ब्लू आई भी वहाँ आ पहुँची। अब वह उनकी मदद बम डिटेक्ट करने में कर रही है।
और वह अपनी टेक्नोलॉजी से ना सिर्फ डिटेक्ट कर सकती है साथ ही defuse भी कर लेगी।
आह!!
यह सब कैसे संभव... उफ्फ्फ!!!
अच्छा हुआ कि मैंने इस बार ब्रेन की मेडिसिन स्प्रे साथ में रख ली थी। इनकी बातों के बीच खुद पर छिड़कने का मौका मिल गया।



तुम्हारा प्लान सफल रहा नेक्टर। मैंने पुलिस को सब समझा दिया।
ये सब हमारे साथ है। क्योंकि जिस अड्डे के तबाह होने को हमने नजरअंदाज कर दिया था।
इंस्पेक्टर शालिनी उसकी छानबीन करती रही...
...और बात गंभीर पाकर उसने इंडियन इंटेलिजेंस को भी इन्वॉल्व कर लिया।
इन्होंने यहाँ के बॉम्ब्स् का पता लगा लिया अब मैं इनकी मदद इन्हें डिफ्यूज करने में करूँगी।
तुम वहाँ बॉम्ब्स् को संभालो मैं इन दोनों को यहाँ देखता हूँ।
अच्छा हुआ कि यहाँ आते हुए मैंने दास पर अपने शक की बात ब्लू आई को बता दी थी। इसका प्लान सुनकर ब्लू आई पुलिस के पास चली गयी।
तू मेरी इतने बरसों की मेहनत बर्बाद नहीं कर सकता नेक्टर। मैं तुझे ऐसा करने नही दूँगा।
तेरी मेहनत बर्बाद हो चुकी है। तूने मेरे चक्कर में...
...देश के दूसरे देशभक्तों को नजरअंदाज कर दिया और यही तेरे हारने की वजह बनेगा।
अच्छा हुआ इन्हें लैब के बाहर ले आया।
वहाँ की सुरक्षा कड़ी करनी होगी। दास ने बड़ी आसानी से सेक्युरिटी कमजोर कर दी ताकि शिकारी जगह का पता लगा कर अंदर आ सके।
देशभक्त!! हाहा हाहा! तुम्हें क्या लगता है कि...
...इस देशभक्ति का इनाम मिलेगा तुझे और उन पुलिसियों को?
मेरे माँ-बाप भी देशभक्त थे।
तुम्हारी सरकार, तुम्हारा सिस्टम उनका जितना फायदा उठाना था उठाती रही। तुम्हारा सिस्टम और इस देश को चलाने वाले लोगों ने ही अपने काले कारनामे छुपाने के लिए उन्हें देशद्रोही करार दिया।
तुम्हारे पूरे देश के सामने उन्हें शर्मसार कर दिया।
मतलब निकलते ही उन्हें भी निकाल फेंका जाएगा। यह सब तभी तक हैं जब तक काम है। काम खत्म आदमी खत्म।
दर-दर भटकने पर मजबूर कर दिया। कोई नहीं आया हमारी मदद को। मैंने... मैंने अपने माता पिता की मौत अपनी आँखों से देखी। सब हमें देशद्रोही बुलाने लगे। तब मैंने तय किया कि ना सिर्फ इस देश से बदला लूँगा सबसे बड़ा देशद्रोही बनकर दिखाऊंगा।
सबसे बड़ा देशद्रोही।
हे भगवान!
तुम रवि नागर और ललिता नागर के बेटे अजेय नागर हो जिसके गुमनाम होने की खबर थी।
आह
हाँ! मैं अजेय नागर उर्फ देशद्रोही हूँ।


अपने साथ हुए जुल्म की सजा तुम निर्दोष लोगों को नही दे सकते नागर। यह ना ही बदला है ना ही न्याय।
कोई फर्क नही पड़ता। इन देश के लोगों ने ही मुझे नफरत करने का गुण दिया है। मैं इन्हें ही नहीं रहने दूँगा।
ये भी मरेंगे और वे भी जो सफेद कपड़ों में काले धंधे करते हैं। न देशभक्त बचेंगे ना ही भ्रष्टाचारी। ना तो बेकसूर रहेंगे ना ही कसूरवार।
अरे हां! मैंने तुम्हें शायद बताया नहीं कि बम जिन मशीनों में लगे हैं उसमें जहरीली गैसें भी है। बम के साथ वह भी हवा में फैल जाएँगी।
तुम्हारा दिमागी संतुलन हिल गया है। इसे दुरुस्त करना होगा और फिर मैं जाकर पुलिस और ब्लू आई कि मदद करूँगा।
आह! तू यहाँ से जा पाएगा तब ना।
कौन रोकेगा मुझे! तू? मेरे ऐसे वार तेरे होश ठिकाने लगाने के लिए काफी हैं और तेरा खास प्यादा तो पीछे जख्मी पड़ा है।
लगता है तुम मुझसे हुई पिछली मुलाकात भूल गए। फिर से याद दिलाता हूँ तुम्हें। शायद यह वार तुम्हारी याद ताजा कर दे।
आआह!!
ये बचकाने खेल मत खेल नेक्टर और चुपचाप मुझे, तुझे मौत के घाट उतार लेने दे।
इसकी फुर्ती भी बहुत ज्यादा है। मेरे वार लगने ही नहीं दे रहा है।
उम्मीद से जल्दी होश में आ गया यह।
देखते हैं कि इस गैस के असर खत्म होने तक...
...तू मेरे वारों से खुद को बचा पाता है या नहीं।


माना कि तेरे बॉस ने अपने दिमाग से तेरा सूट बनाया है लेकिन मेरा सूट भी किसी बच्चे की देन नहीं।
अभी बहुत कुछ है जो तेरा बॉस भी नहीं जानता मेरे सूट के बारे में।
तेरे सूट की खासियत का जवाब तो मेरे सूट की खासियत ने दे दिया। अब तेरे वार का जवाब भी ले जा!
माना कि तू फुर्ती और लड़ाई में माहिर है लेकिन मैं भी कोई कल का सीखा लड़का नहीं।
नेक्टर!
एक बड़ी मुसीबत हो गयी है।
हमने काफी बॉम्ब नाकाम कर दिए हैं लेकिन काफी सारे और बचे हैं।
लगता है दास ने किसी तरह की सेटिंग की हुई थी इन पर क्योंकि इनका टाइमर स्टार्ट हो गया है।
कुछ ही मिनिटों में ये फट पड़ेंगे। और अगर इनकी रेंज की बात करूँ तो ये कई किलोमीटर समतल कर देंगे। सिविलियन्स अभी भी ज्यादा दूर नहीं गए हैं।
अब तू कुछ नहीं कर सकता नेक्टर। कुछ भी नहीं यहाँ मैं तुझे मारूँगा और वहाँ वे ब्लास्ट होंगे। हाहाहा।
एक तरीका है लेकिन उसके लिए मुझे तुरंत ही निकलना होगा। पहले इस किरण की एनर्जी को दुगना कर दूँ।


जरा अपने ही वारों का स्वाद चख कर देखो।
आआआहह!!
आआआआहहह!!
वैसे तो तुम दोनों को यहीं कैद करने का इरादा था...
...लेकिन मेरे पास तुम दोनों के लिए एक फन राइड है। तुम दोनों को बहुत पसंद आएगा।
कुछ नहीं हो रहा है। इसमें दास ने जरूर अपनी टेक्नोलॉजी लगा रखी है। मैं इसे नाकाम नहीं कर पाऊंगी।
अब क्या करें? जनता डर कर जहाँ जा सकती है जा रही है जिस वजह से चारों दिशाएं भरी पड़ी हैं और आस पास की जगहें भी अलग तरह के कार्यक्रमों की वजह से भरी पड़ी थी।
अब एक ही रास्ता है कि मैं इसे लेकर ऊपर उड़ जाऊं।
लेकिन यह तो रास्ते में ही फट जाएगा, तुम्हारे पर्याप्त दूरी में ले जाने से पहले।
शालिनी सही कह रही है।
हट जाओ सामने से।


मेरा सूट शायद इनका सम्मिलित धमाका झेल सके।
तुम यहीं रुको। इन्हें तुम्हारी जरूरत पड़ेगी।
नेक्टर नहीं
नहीं नेक्टर! रुको ये सूट अभी शायद इतना सह ना सके।
सिर्फ दो मिनट बचे हैं। जितना ज्यादा ऊपर ले जाऊंगा उतना ही धमाके का और जहरीली गैस का खतरा काम होगा।
बड़ाम...
हाँ! इन सबको बचाने के चक्कर में इसकी खुद की चिता... आआह!!!
हाहा! अब नेक्टर नहीं बचेगा। अगर धमाके से सूट ने बचा भी लिया तो जहरीली गैस जरूर मार डालेगी।
क्या?
धमाके की आवाज ने ब्लू आई की धड़कने बढ़ा दी।
ओह्ह नहीं!



नेक्टर का शरीर पके फल की तरह जमीन की तरफ गिरने लगा।
इससे पहले की नेक्टर का जिस्म जमीन छू पाता।
ब्लू आई ने उसे थाम लिया।
सेना के अधिकारी और पुलिस भी अपने रक्षक की सलामती के लिए चिंतित हो चले थे।
नेक्टर!! नेक्टर!! उठो! उठो! आँखें खोलो अपनी। आँखें खोलो।
इतने जोर से कान के पास चिल्लाओगी तो कोई मुर्दा भी उठ जाएगा।
नेक्टर! तुम तुम ठीक हो।
तुम्हें क्या लगा?
कुछ देर तक सांस मुझे भी रोकना आता है।
मेडिकल अटेंशन के लिए जाते नेक्टर को मिला वह सम्मान जो एक देशभक्त दूसरे देशभक्त को देते हैं।
समाप्त!

फिक्शन स्तंभ #1



पन्नों से दिल तक...

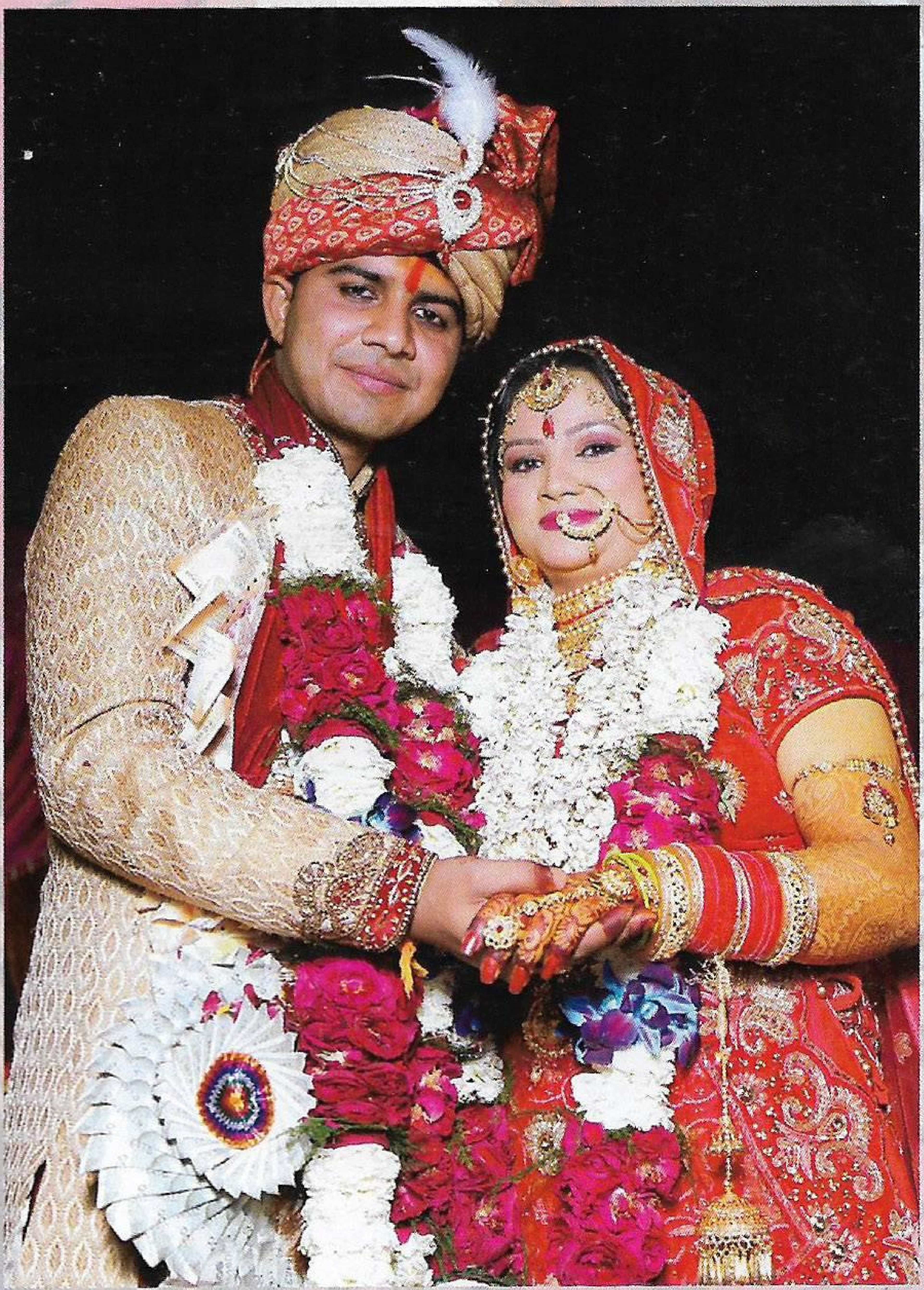
प्रिय पाठकों,

फिक्शन कॉमिक्स का पहला सेट आपके हाथों में है! आशा है आपको हमारा यह प्रथम प्रयास अवश्य पसंद आयेगा! और यह हमारे लंबे रिश्ते की पहली कड़ी बनेगी! वैसे तो कॉमिक निर्माण के क्षेत्र में हम काफी समय से हैं परंतु कॉमिक प्रकाशन का ये हमारा पहला अनुभव है! इसलिये इसमें त्रुटियों का होना भी स्वाभाविक है! परंतु आपके मार्गदर्शन, सुझाव और शिकायतों से हम जल्द ही इन त्रुटियों को दूर कर लेंगे और आपका मनोरंजन करने का भरपूर प्रयास करेंगे।

कॉमिक निर्माण सरल प्रक्रिया नहीं होती है, दोस्तों! अथक श्रम, सतत् प्रयास और पूर्ण समर्पण से ही हम एक मायावी संसार की रचना कर पाते हैं जो पाठक के दिल-ओ-दिमाग में बस जाते हैं। और अगर ऐसा नहीं हो पाता तो समझ लीजिये कोई न कोई चूक रह गई! पर हमें ये चूक नहीं करनी है। हमें आपके दिल-ओ-दिमाग में छाना है। उसमें अपनी जगह बनानी है। ताकि एक नये रिश्ते की शुरुआत हो सके। और इसके लिए हमसे जो बन पड़ेगा हम करेंगे। चाहे जितनी मेहनत करनी पड़े हम करेंगे। जितना जोर लगाना पड़े हम लगायेंगे। हम चाहते हैं जिस संसार की हमने रचना की है वह जितनी हमारी है उतनी आपकी भी हो। हम मिल कर इस संसार को बेहतर बनायेंगे। आप अपने खट्टे-मीठे सुझाव और शिकायतों से हमारा मार्गदर्शन करते रहियेगा। और हम उन पर अमल करके आपको एक से बढ़ कर एक बेहतरीन चित्रकथायें देते रहेंगे। इसी आशा और विश्वास के साथ हम इस स्तंभ का समापन करते हैं।

-टीम फिक्शन

फिक्शन कॉमिक्स के आर्टिस्ट **नीशू चौहान** जी की प्यारी छोटी बहन **मीनाक्षी** का विवाह दिल्ली फरीदाबाद के रहने वाले **संदीप** से गत् 20 फरवरी को हुआ। इस विवाह के शुभ अवसर पर कॉमिक्स जगत की कई नामी हस्तियां शामिल हुईं। और नवदम्पति को आर्शीवाद दिया। पूरे फिक्शन कॉमिक्स परिवार की ओर से नव दम्पति को **हार्दिक शुभकामनाएं।**



नवदम्पति संदीप - मीनाक्षी

फिक्शन कॉमिक्स की गौरवशाली भेंट

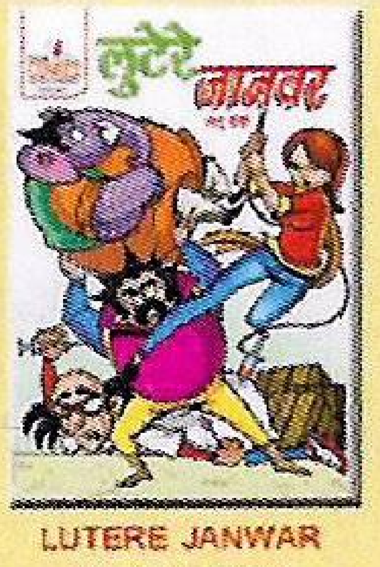
FICTION COMICS ENTERTAINMENT

इसी सैट के कॉमिक्स

संख्या 1 - गर्व (नेक्टर)
संख्या 2 - वीरांगना (बिलासा)
संख्या 3 - लुटेरे जानवर (मंजू दीदी)
संख्या 4 - हॉरर डायरीज 1
संख्या 5 - अमावस
संख्या 6 - अमावस रिटर्न्स
संख्या 7 - गुण्डाधुर (छत्तीसगढ़ गौरव)
संख्या 8 - मीनी माता (छत्तीसगढ़ गौरव)
संख्या 9 - पं. सुन्दरलाल (छत्तीसगढ़ गौरव)
संख्या 10 - त्यागमूर्ती (छत्तीसगढ़ गौरव)



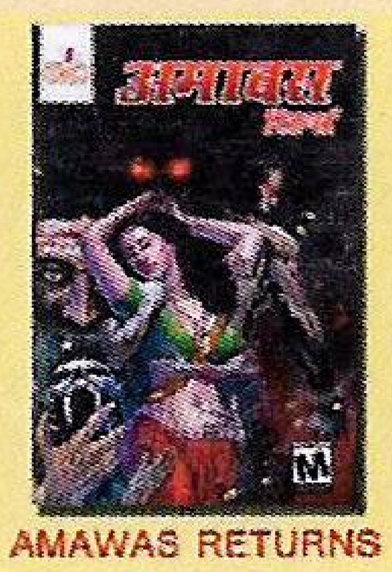
GARV (NECTAR)
RS -150
32 PAGES



LUTERE JANWAR (MANJU DIDI)
RS - 120
24 PAGES



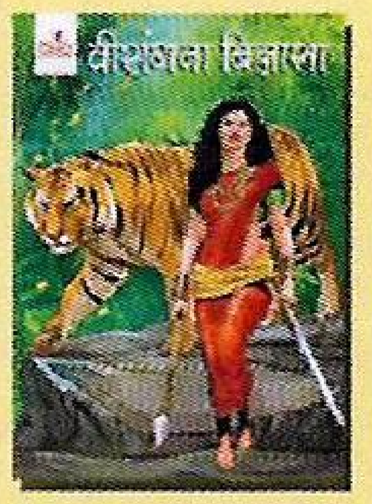
AMAWAS
RS - 100
20 PAGES

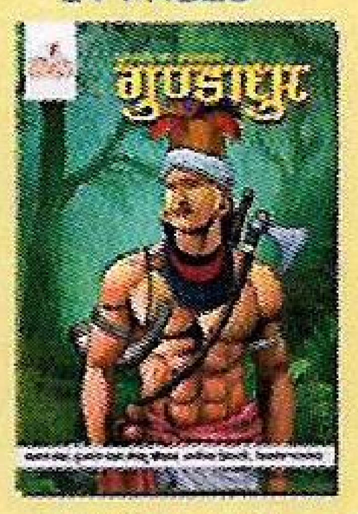


AMAWAS RETURNS
RS - 100
20 PAGES



HORROR DAIRY
RS- 250
60 PAGES


VIRANGANA BILASA
RS -160
36 PAGES

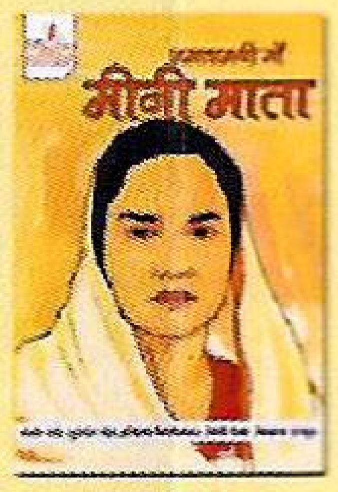


GUNDADHUR
RS - 40
16 PAGES


PT. SUNDERLAL SHARMA
RS - 40
16 PAGES

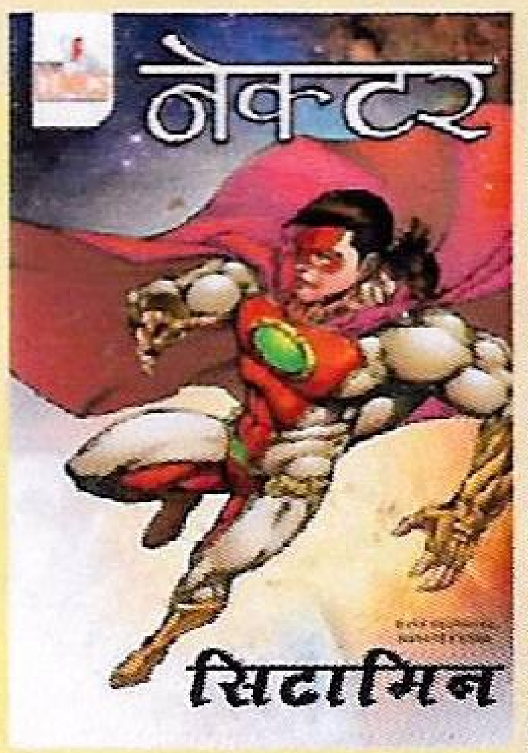


TYAGMURTY
RS - 40
16 PAGES

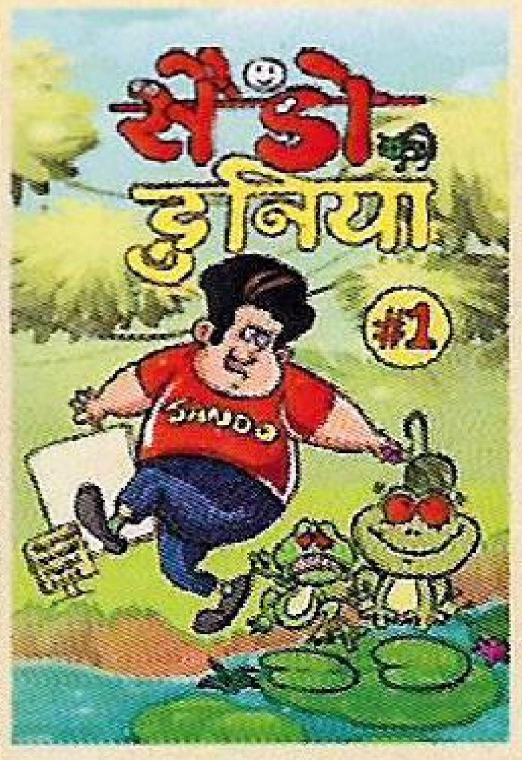


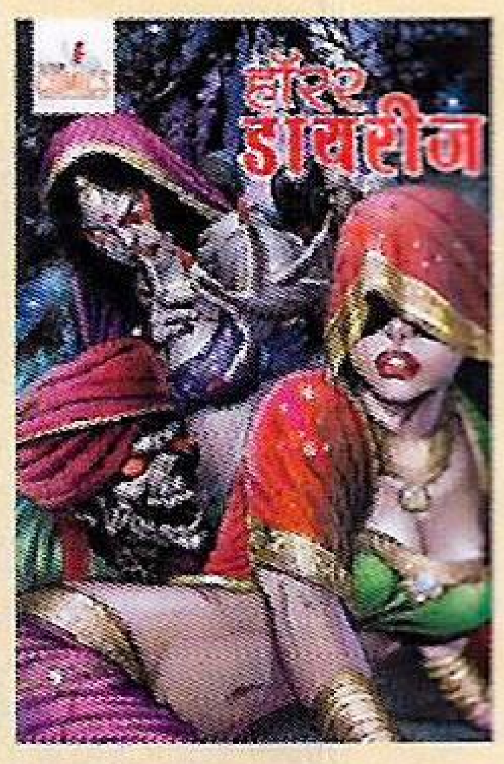
MINIMATA
RS - 40
16 PAGES

इस सैट में प्रकाशित कॉमिक्स मंगवाने के लिए अपना पता, मोबाईल नंबर एवं उन कॉमिक्सों की सूची जो आप हमसे मंगवाना चाहते हैं लिखकर हमें मेल करें।
email id - fictioncomics001@gmail.com









आज ही सदस्य बनें

सदस्यता शुल्क

2000₹
इसमें आप को 2500 ₹ तक अलग अलग टाइटल की कॉमिक्सें दी जायेंगी। साथ में फिक्शन नॉवेल्टीज उपहार।

3000 ₹
इसमें आप को 4000 ₹ तक अलग अलग टाइटल की कॉमिक्सें दी जायेंगी। साथ में फिक्शन नॉवेल्टीज उपहार।

5000 ₹
इसमें आप को 7000 ₹ तक अलग अलग टाइटल की कॉमिक्सें दी जायेंगी। साथ में फिक्शन नॉवेल्टीज उपहार

10 000 ₹
इसमें आप को 13000 ₹ तक अलग अलग टाइटल की कॉमिक्सें दी जायेंगी। साथ में फिक्शन नॉवेल्टीज उपहार।

20000 ₹ आजीवन
इसमें आप को फिक्शन कॉमिक्स में प्रकाशित होने वाली सारी कॉमिक्सें फ्री दी जायेंगी साथ में फिक्शन नॉवेल्टीज उपहार।

आगामी सैट के कॉमिक्स

संख्या 11 - सिटामिन (नेक्टर)
संख्या 12 - लुकाछुपी (पगली)
संख्या 13 - सैण्डो की दुनिया (सैण्डो)
संख्या 14 - हॉरर डायरीज 2

BASANT KUMAR PANDA
A/C NO 20351646818
IFSC CODE SBIN0018521
EMAIL YOUR POSTAL ADDRESS
fictioncomics001@gmail.com

YOU CAN ALSO CONTACT FOR ADVERTISEMENT ON COMICS BOOK
MOB NO 7000475072 ,9039862806

FICTION COMICS ENTERTAINMENT

www.facebook.com/Fiction-comics
MOB NO - 7000475072, 9039862806, 8962550814